मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 312
गुरुवार, 05 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## नवनियुक्त आईएएस अधिकारी सहानुभूति और निष्पक्षता के साथ अपने अधिकार का प्रयोग करें: राष्ट्रपति

**नई दिल्ली, 04 जून।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों के एक समूह से आह्वान किया कि वे लोक सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने वाले मूल्यों पर कायम रहते हुए अपने प्राधिकार का इस्तेमाल सहानुभूति और निष्पक्षता के साथ करें।

मुर्मू ने कहा कि समावेशी विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के प्रयासों में विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए कि हाशिये पर पड़े और कमजोर वर्ग देश को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में पीछे न छूट जाएं।

मुर्मू ने कहा, जब गरीब और वंचित लोग विकास और समृद्धि का अनुभव करेंगे, तभी हम विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब होंगे। मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन में राज्य सिविल सेवाओं से नियुक्त आईएएस अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं, जो मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 127वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। ये अधिकारी यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलने आये थे। उन्होंने कहा कि नौकरी करते समय उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रौद्योगिकी और नवाचार बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

मुर्मू ने कहा, डिजिटल उपकरण सेवा मुहैया कराने की स्थिति में सुधार से लेकर डेटा-संचालित निर्णय लेने में सक्षम बनाने तक,कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल शासन प्रणाली बनाने में मदद कर सकते हैं। यह जरूरी है कि आप एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक तंत्र में नवाचारों को अपनाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सरकारी योजनाएं अंतिम छोर तक पहुंचें।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा को परिभाषित करने वाले मूलभूत मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं आपसे अपने आचरण में ईमानदारी बनाए रखने, अपने कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जवाबदेही बनाए रखने का आग्रह करती हूं। आपको सहानुभूति और निष्पक्षता के साथ अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। आपसे उम्मीद की जाती है कि आप उदाहरण पेश करेंगे और उन मूल्यों में निहित रहेंगे जो सार्वजनिक सेवा की भावना को दशार्ते हैं।

## ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत

**झाबुआ, 04 जून।** मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में बुधवार को करीब 2.30 बजे सीमेंट से लदे ट्रेलर ट्रक के वैन पर पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे, जो एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। यह दुर्घटना मेघनगर तहसील क्षेत्र में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई, जहां एक निमार्णाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जा रहा था।

झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने कहा, ट्रक मेघनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निमार्णाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह एक वैन पर पलट गया।

यह दुर्घटना झाबुआ जिले के मेघनगर तहसील में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब 2.30 बजे हुई, जहां ट्रक एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निमार्णाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था और उसका संतुलन बिगड़ गया।

पुलिस ने कहा कि सभी नौ पीड़ित वैन में यात्रा कर रहे थे, जो ट्रक के वजन के नीचे कुचल गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, निमार्णाधीन पुल के पास सीमेंट से लदा ट्रक ओमनी वैन पर पलट गया। वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुदा के निवासी थे और एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। थांदला और मेघनगर से पुलिस की टीमें दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।जानकारी के अनुसार कार में 11 लोग सवार थे और वे एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी दौरान साजेली फाटक के पास पहुंचते ही सीमेंट से भरा ट्रक कार पर पलट गया और कार चकनाचूर हो गई।

## करंट लगने से दो महिलाओं सहित तीन की मौत

**अजमेर।** अजमेर के केकड़ी इलाके में एक निमार्णाधीन मकान में करंट लगने से एक बुजुर्ग महिला, उसकी बेटी और दामाद समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार यह घटना बुधवार सुबह प्रेमा देवी (60) के निमार्णाधीन मकान में हुई। पुलिस ने बताया कि प्रेमा देवी के साथ उनकी बेटी माया और दामाद कंवरपाल भी घर में मौजूद थे और काम में उनकी मदद कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि कंवरपाल पाइप से नई बनी दीवार पर पानी छिड़क रहा था, तभी पानी दीवार के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। प्रेमा देवी और माया वहां ईंटें लगा रही थीं। जैसे ही कंवरपाल को करंट लगा, वह जमीन पर गिर पड़ा और दोनों महिलाएं भी उसके संपर्क में आने से करंट की चपेट में आ गईं।

## संगीतकार सुनील यादव की गिरफ्तारी पर रोक

**इलाहाबाद, 04 जून।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपहरण के एक मामले में संगीतकार सुनील यादव की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। यादव के खिलाफ प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उसने जिस लड़की को अपने एलबम के लिए अनुबंधित किया था, बाद में उसका अपहरण कर लिया।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने पीड़िता की बहन और शिकायतकर्ता सुष्मिता यादव को नोटिस जारी किया। मामले के तथ्यों के मुताबिक, सुष्मिता की बहन अनुपमा यादव याचिकाकर्ता सुनील यादव से प्रेम करती थी और दोनों अप्रैल में विवाह करने जा रहे थे, जिसकी वजह से सुष्मिता ने सुनील पर भरोसा किया। आरोप है कि 19 फरवरी, 2025 को सुनील उनके घर आया और कहा कि उन्हें शादी के संबंध में खरीदारी के लिए नेपाल जाना है। वह अनुपमा को स्कॉर्पियो गाड़ी में अपने साथ ले गया। आरोप है कि दो घंटे बाद अनुपमा ने अपने भाई सूर्य कुमार यादव को फोन किया कि सुनील उसे नेपाल नहीं ले जा रहा, बल्कि बिहार ले जा रहा है। तब से अनुपमा का मोबाइल बंद रहा। बाईस फरवरी, 2025 को सुबह नौ बजे सुनील यादव ने बताया कि अनुपमा उसके साथ नहीं है। सुष्मिता को शक है कि सुनील ने उसकी बहन को या तो कहीं बेच दिया या फिर उसकी हत्या कर दी। वहीं याचिकाकर्ता का कहना है कि सुष्मिता यादव और उसकी बहन अनुपमा यादव अन्य लोगों के साथ मिलकर एक रैकेट चला रही हैं और भोले भाले लोगों को फंसाकर उनसे धन उगाही करती हैं। सुनील के वकील ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता एलबम बनाने का काम करता है और अनुपमा के अनुरोध पर उसने अपने एलबम में उसे भूमिका निभाने का अवसर दिया और छह-सात लाख रुपये भी दिए।

## असम में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति गंभीर

**असम, 04 जून।** असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी बहुत गंभीर बनी हुई है और लगातार बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में जलस्तर बढ़ गया और नए इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्रह्मपुत्र सहित सात नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का पूवार्नुमान जताया है। धुबरी, दक्षिण सलमारा-मनकाचर, ग्वालपारा और कोकराझार में गरज के साथ बारिश होने और बिजली चमकने तथा 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की मंगलवार रात की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हैलाकांडी, श्रीभूमि, मोरीगांव, कछार, सोनितपुर और तिनसुकिया जिलों में छह और लोगों की जान चली गई और 21 जिलों में लगभग 6.5 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन में मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई है। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने बताया, सुबह से ही निचले असम के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है।बारपेटा, बोंगाईगांव, नलबाड़ी, ग्वालपारा और बक्सा के कई स्थान प्रभावित हुए हैं। कुल मिलाकर 21 जिलों के 69 राजस्व क्षेत्रों और 1,506 गांवों के 6,33,114 लोग बाढ़ से प्रभावित रहे। राज्य में बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 223 राहत शिविर संचालित हैं, जो 39,746 विस्थापित लोगों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं, जबकि 288 राहत वितरण केन्द्र भी चालू हैं।

## दिव्यांगों को बीएचयू में योग की इजाजत नहीं,भड़के संगठनों ने किया विरोध

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में दिव्यांगजनों को योगाभ्यास की अनुमति न मिलने से आक्रोश फैल गया है। एक ओर जहाँ पूरे देश और दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियाँ जोरों पर हैं, वहीं प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र स्थित बीएचयू में दिव्यांगों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जिसे लेकर व्यापारी संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं ने विरोध तेज कर दिया है। दिव्यांगजन लंबे समय से बीएचयू परिसर में योग करते आ रहे थे, लेकिन हाल ही में उन्हें योग की अनुमति से वंचित कर दिया गया। इस फैसले से नाराज होकर वाराणसी व्यापार मंडल, लंका व्यापार मंडल, चंदौली व्यापार मंडल, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सहित कई संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता बीएचयू के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। इस दौरान वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा, दिव्यांग किसी बोझ का नाम नहीं हैं। उन्होंने देश के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्हें योग से रोकना न केवल संविधान के विरुद्ध है बल्कि मानवीयता के भी खिलाफ है। दिव्यांगजनों ने कहा, हम सिर्फ. योग करना चाहते हैं, किसी पर बोझ नहीं बनना। बीएचयू में हमें रोका जाना हमारी आत्मा को चोट पहुँचा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बीएचयू प्रशासन केवल आश्वासन दे रहा है, लेकिन कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले रहा। सैकड़ों की संख्या में लोग अनशन पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस आश्वासन या लिखित आदेश नहीं आया है।

मांगः 1. दिव्यांगजनों को बीएचयू में तत्काल योग करने की अनुमति दी जाए।

2. भविष्य में उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर नीति बनाई जाए।

3. इस मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

## रोडवेज बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत

**फरुर्खाबाद, 04 जून।** फरुर्खाबाद जिले में रोडवेज बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की शाम पिंटू (30) अपने रिश्तेदारों सनी (21) और आदेश (32) के साथ ऊजरामऊ गांव में आयोजित शादी समारोह के लिये हुल्लापुर से सामान खरीदकर लौट रहा था।

उन्होंने बताया कि रास्ते में इटावा–बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गये और उस पर सवार सनी और आदेश की मौके पर ही मौत हो गयी।

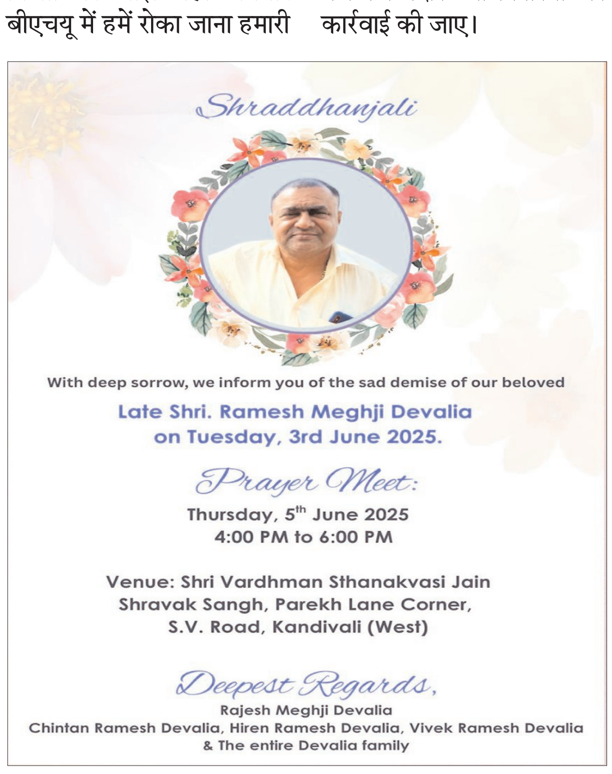

# बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

## विश्व पर्यावरण दिवस – 5 जून, 2025

-ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न

केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

# सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर मचा सियासी तूफान!

अशोक भाटिया

हाल ही में पुणे की एक 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी ने भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता और धार्मिक संवेदनशीलता के बीच की बहस को फिर से पैदा कर दिया है। शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित एक वीडियो में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। हालांकि, मामले को बढ़ता देख शर्मिष्ठा ने पहले ही बिना शर्त के माफी मांग ली थी, लेकिन कई राजनेता शर्मिष्ठा की आलोचना करते हुए गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

दरअसल, शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में उन अभिनेताओं की आलोचना की थी। जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। वह कथित तौर पर एक यूजर को जवाब दे रही थीं, जिसने पूछा था कि भारत ने बिना किसी कारण के पाकिस्तान पर गोलीबारी क्यों की। शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में कथित तौर पर अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

वहीं, 14 मई को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने एक्स पर पनोली के वीडियो को शेयर करते हुए दावा किया कि शर्मिष्ठा ने इस्लाम का अपमान किया है और उनकी टिप्पणी सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देती है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को टैग किया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। इसी के बाद मामले ने तूल पकड़ा और सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी की मांग बढ़ने लगी।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम की इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली केस में बड़ा ट्विस्ट सामने लाया है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले वजाहत खान के खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ़्तारी में शिकायतकर्ता वजाहत खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद पहले वजाहत खान के लापता होने की जानकारी सामने आई थी। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद वजाहत रशीद पर हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के आरोप लगे थे। असम पुलिस ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए टीम भेजी थी। वजाहत खान के खिलाफ असम में एक केस दर्ज किया गया है। इससे पहले असम सरकार ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए बंगाल सरकार से मदद मांगी थी।

आपको बता दे कौन हैं वजाहत खान वजाहत रशीद कोलकाता स्थित रशीदी फाउंडेशन के सह-संस्थापक है। वजाहत ने 22 साल की शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ही कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से पनोली को अरेस्ट किया था। इसके बाद वजाहत ने सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया था। इसके बाद उसकी पिछली हिस्ट्री भी सामने आ गई थी। । जिनमें उन्होंने हिंदू धर्म, भगवान कृष्ण, कामाख्या देवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों और हिंदू त्योहारों को लेकर आपत्तिजनक बातें लिखी थीं। इनमें से कुछ पोस्ट उन्होंने बाद में डिलीट भी की थीं। इसके बाद असम में मामला दर्ल हुआ था। इसके साथ ही अमिता सचदेवा ने भी दिल्ली के साकेत साइबर थाने में वजाहत रशीद के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। अब कोलकाता पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज की ली है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने वजाहत खान के खिलाफ दर्ज केस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देवी मां कामाख्या के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा की गई अस्वीकार्य टिप्पणियों के संदर्भ में असम पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है और हम उस व्यक्ति को कानून का सामना करने के लिए असम लाने में पश्चिम बंगाल सरकार से सहयोग मांगेंगे।

समाचार पत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार शर्मिष्ठा पनोली स्वयं भी कानून की जानकर है वह पुणे लॉ यूनिवर्सिटी में कानून की छात्रा हैं। जब शुक्रवार को गुरुग्राम में उनके घर की घंटी बजी, सामने कोलकाता पुलिस थी। पुलिस ने कहा, आपको गिरफ्तार किया जा रहा है। आखिर शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि पुलिस को 1500 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी? शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि वह पूरे देश की राजनीति का केंद्र बन गई हैं? उनकी गिरफ्तारी के बाद ममता सरकार की आलोचना क्यों हो रही है?क्या उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है या फिर उनके ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ विवादित पोस्ट की वजह से हुई है, जिसे उन्होंने डिलीट भी कर दिया था? ममता की पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने में इतनी तेजी क्यों दिखा रही है? इन सभी सवालों पर बात करने से पहले जानते हैं शर्मिष्ठा के विवाद और उनकी गिरफ्तारी की कहानी।

दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न चलाया था। इस ऑपरेशन पर देश-विदेश के लोगों ने प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान पुणे लॉ कॉलेज की एक स्टूडेंट, जो उभरती हुई सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं, ने कुछ ऐसा कहा कि सोशल मीडिया, खासकर एक्स पर उनके खिलाफ हैशटैग बायकॉट होने लगा। सोशल मीडिया पर #ArrestSharmistha ट्रेंड करने लगा।

शर्मिष्ठा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भारत अब सिर्फ गांधी का फैन नहीं है। अगर तुम आंख दिखाओगे तो तुम्हारे घर में घुसकर मारेगा। दरअसल, वह अपने पूरे वीडियो में पाकिस्तान और पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बोल रही थीं। हालांकि, उन्होंने अपने डिलीट किए गए वीडियो में खास समुदाय (पाकिस्तान के) के खिलाफ भी बोला था। उनका कहना था कि अगर किसी निर्दोष की हत्या कर जन्नत जाने की नियत रखते हो, तो यह तुम्हारी गलतफहमी है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने जो शब्द प्रयोग किए थे वे किसी भी प्रकार से उचित नहीं थे।

विवाद बढ़ने के बाद शर्मिष्ठा ने मैच्योरिटी दिखाते हुए पहले वीडियो डिलीट किया था , फिर वीडियो पोस्ट जारी करते हुए माफी मांगी। फिर भी ममता बनर्जी को ममता क्यों नहीं दिखा रही हैं? आखिर ममता सरकार एक लड़की को अरेस्ट कर सजा दिलाने की जिद पर क्यों अड़ी हैं? कहीं ममता सरकार अगले साल की विधानसभा चुनाव की तैयारी में तो नहीं हैं? किसी खास समुदाय को खुश करने के लिए ममता सरकार कहीं अति कदम तो नहीं उठा रही हैं? पश्चिम बंगाल में एक खास समुदाय ममता का कोर वोटर है। एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर को गिरफ्तार कर, ममता अपनी वफादारी का सबूत देने की फिराक में तो नहीं हैं? दरअसल, शर्मिष्ठा के इंस्टाग्राम वीडियो पर ऐतराज जताते हुए किसी ने पुलिस केस दर्ज कराया। मगर, उनके घर कानूनी नोटिस जाने से पहले ही वह परिवार संग कोलकाता छोड़ चुकी थीं। गिरफ्तारी को लीड कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके वीडियो के संबंध में केस दर्ज था। इसमें एक खास समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई थी। इसलिए उनकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसी दिन अलीपुर के सीजेएम कोर्ट में पेश कर पुलिस हिरासत की मांग की थी।

गिरफ्तारी के बाद शर्मिष्ठा को 31 मई 2025 को अलीपुर सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस हिरासत की मांग की गई थी, मगर कोर्ट ने उनकी मांगों को खारिज करते हुए शर्मिष्ठा को 13 जून 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगर इसे उनकी कानूनी जीत कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। शर्मिष्ठा के वकील मोहम्मद शमीमुद्दीन ने उनका बचाव किया है। अब, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि शर्मिष्ठा ने इंस्टाग्राम से विवादित वीडियो हटा लिया और एक्स पर माफी मांगी, फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की। कुछ एक्स पोस्ट के अनुसार, शर्मिष्ठा ने कोर्ट में उत्पीड़न का आरोप लगाया और कहा, यह लोकतंत्र नहीं, मजाक है। उन्होंने खुद को घायल शेरनी बताया तक बताया।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी ने पश्चिम बंगाल में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी नेताओं ने सीएम ममता बनर्जी सरकार पर चुनिंदा कार्रवाई और तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया।समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के लिए सख्त कानून की मांग की। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोगों के खिलाफ कम से कम 10 साल की सजा वाला कानून बनना चाहिए।'बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने शर्मिष्ठा के समर्थन में इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं मानती हूं कि शर्मिष्ठा ने कुछ अप्रिय शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन आजकल ज्यादातर युवा ऐसे शब्दों का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने बयानों के लिए माफी मांगी और यह काफी होना चाहिए। उन्हें और परेशान करने की जरूरत नहीं है। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।' बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर हिंदू आवाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'महुआ मोइत्रा के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने देवी काली के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। क्या कोई कार्रवाई हुई? टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने महादेव के बारे में क्या पोस्ट किया? क्या कोई कार्रवाई हुई? सिर्फ सनातनियों के खिलाफ कार्रवाई होती है। ये तुष्टिकरण की राजनीति है।'बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी ममता बनर्जी पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'ये केवल बंगाल की बात नहीं है- यह इस बारे में है कि एक युवा हिंदू महिला को वोट बैंक को खुश करने के लिए निशाना बनाया जा रहा है।'

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि शर्मिष्ठा ने अपनी गलती स्वीकारी और माफी मांग ली। उन्होंने टीएमसी पर सनातन धर्म का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'जब हमारी आस्था को कुछ कहा जाता है, तब आक्रोश कहां था? उन्होंने माफी क्यों नहीं मांगी? उनको तुरंत क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया?' कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने एक्स पर कहा, 'सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अंतरराज्यीय गिरफ्तारियां (जब तक यह स्पष्ट रूप से सिद्ध न हो कि इससे कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई है) पुलिस शक्तियों का स्पष्ट दुरुपयोग है।'यही नहीं शर्मिष्ठा को विदेश से भी समर्थन मिल रहा है । नीदरलैंड के सांसद गीर्ट वाइल्डर्स से भी समर्थन मिला है, उन्होंने कहा कि उनकी (शर्मिष्ठा) की गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान है। दक्षिणपंथी फॉर फ्रीडम के नेता ने पीएम मोदी से अपील की है कि वह शर्मिष्ठा की रिहाई सुनिश्चित करें।

# गंगा दशहरा: केवल नदी नहीं, संस्कृति की साँसें हैं मां गंगा!

-सुरेश गांधी

**गंगे तव दर्शनात मुक्तिः! यानी गंगा मां के दर्शन से मुक्ति मिलती है। मतलब साफ है गंगा भारत की न केवल सबसे लंबी नदी है, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था, इतिहास और जीवन का आधार भी है। वह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, मोक्ष की आशा और भावनाओं की अविरल गूंज है। गंगा दशहरा, उस शुभ दिन की स्मृति है जब मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई और मानव जाति को मोक्ष की राह दिखाई। इसी दिन गायत्री मंत्र भी प्रकट हुआ था. गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है. मान्यता है कि इस दिन गंगा में डूबकी लगाने व दान करने से सारे पाप धुल जाते हैं और जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है. खास यह है कि इस साल गंगा दशहर पर दुर्लभ योग बन रहे हैं. या यूं कहे इस दिन रवि योग, दग्ध योग, राजयोग और सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग भी बनेगा. इस साल ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरूआत 4 जून बुधवार की रात 11: 34 मिनट पर होगी और समापन 5 जून गुरुवार की रात 02:56 मिनट पर होगा. उदयातिथि के अनुसार गंगा दशहरा 5 जून को होगा. गंगा दशहरा के दिन स्नान करने का ब्रह्म मुहूर्त 5 जून की सुबह 05:12 मिनट से लेकर सुबह 08:42 मिनट तक रहेगा. जबकि 9 बजकर 14 मिनट तक सिद्धि योग भी रहेगा**

भारत की सांस्कृतिक आत्मा में नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि जीवनदायिनी माताएं हैं। उनमें भी गंगा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। गंगा न केवल एक नदी है, वह भारतीय सभ्यता की रीढ़ है, जो भक्ति, मुक्ति और पवित्रता की प्रतीक मानी जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अयोध्या के सूर्यवंशी राजा सगर के 60,000 पुत्र कपिल मुनि के श्राप से भस्म हो गए थे। उन्हें मोक्ष दिलाने के लिए राजा भागीरथ ने वर्षों तक कठिन तप किया। भगवान ब्रह्मा ने गंगा को पृथ्वी पर भेजने का वचन दिया, लेकिन उसकी तेज धारा को रोकने के लिए भगवान शिव ने अपनी जटाओं में उसे समाहित कर लिया और फिर धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। जिस दिन गंगा का प्रथम स्पर्श पृथ्वी से हुआ, वही गंगा दशहरा कहलाया। यानी गंगा दशहरा, गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का दिन है. यह पर्व धर्म, संस्कृति, और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संदेश के साथ मनाया जाता है। गंगा अवतरण की दिव्य स्मृति और जीवन को निर्मल करने वाला उत्सव है। इस दिन पुण्य, प्रकृति और परंपरा का संगम झलकता है. या यूं कहें गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं, प्राकृतिक चेतना का भी प्रतीक है। गंगा के प्रति श्रद्धा तभी सार्थक होगी जब हम उसे स्वच्छ, अविरल और प्रदूषण मुक्त बनाएं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि गंगा केवल नदी नहीं, हमारी संस्कृति की सांसें हैं, और सांसों को जिंदा रखने की जिम्मेदारी हमारी है। गंगा दशहरा हमें केवल पूजा नहीं सिखाता, वह हमें जीवन के प्रति संवेदनशीलता और संवेदनशील कर्म की सीख देता है। गंगा की स्वच्छता, उसकी धाराओं की अविरलता और उसके तटों का सम्मान, यही सच्ची गंगा भक्ति है। ह्यदशहराह्न शब्द संस्कृत के ह्यदशह्न (दस) $ ह्यहराह्न (हर्ता) से बना है, जिसका अर्थ है ह दस पापों का नाश। ये दस पाप दो श्रेणियों में विभाजित हैं: शारीरिक पापः हिंसा, चोरी, परस्त्रीगमन, झूठ, शराब सेवन. मानसिक पापः काम, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या. गंगा दशहरा पर गंगा स्नान व पूजा से इन दसों पापों से मुक्ति मिलने की मान्यता है।

इस दिन गंगा स्नान और पूजा के साथ दीपदान का विशेष महत्व है. इस दिन कोई भी व्यक्ति गंगा के पवित्र जल में स्नान करता है या गंगाजल का सेवन करता है उसके पापों के साथ-साथ रोग और दोष भी दूर हो जाते हैं। इस दिन मां गंगा स्नान व पूजा के बाद किसी जरूरतमंद को अन्न करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। घर हमेशा धन-धान्य से भरा रहता है. इस दस पापों में तीन पाप कायिक, चार पाप वाचिक और तीन पाप मानसिक होते हैं। इन सभी से व्यक्ति को मुक्ति मिलती है। इस दिन ऊं नमः शिवाय नारायण्यै दशहरायै गंगायै स्वाहा मंत्रों द्वारा गंगा का पूजन करने से जीव को मृत्युलोक में बार-बार भटकना नहीं पड़ता। निष्कपट भाव से गंगा मां के दर्शन करने मात्र से जीव को कष्ट से मुक्ति मिल जाती है। गंगा दशहरा को बाबा रामेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा का दिन भी माना जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार

ज्येष्ठे मासि सिते पक्षे प्राप्य प्रतिपदं तिथिम्।

दशाश्वमेधिके स्नात्वा मुच्यते जन्मपातकैः।।

ज्येष्ठे शुक्लद्वितीयायां स्नात्वा रुद्रसरोवरे।

जन्मद्वयकृतं पापं तत्क्षणादेव नश्यति।।

अर्थात ज्येष्ठ मास के शुक्लपक्ष की प्रतिपदा को इस दशाश्वमेधतीर्थ में स्नान करने से जन्म भर के संचित पाप दूर हो जाते हैं और उसी जेठ सुदी द्वितीया को इस रुद्रसरोवर तीर्थ में स्नान करने से दो जन्म के संचित पापों से तुरंत छुट्टी मिल जाती है। दशाश्वमेध तीर्थ (घाट) पर स्नान, दान, जप, होम वेदाध्ययन, देवपूजन, संध्योपासन, तर्पण और श्राद्ध आदि पितृकर्म या जो कुछ सत्कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय कहे गए हैं। इस तीर्थ पर ब्रह्मा जी द्वारा स्थापित भगवान शिव के दशाश्वमेधेश्वर स्वरूप के दर्शन पूजन से मनुष्य समस्त पापों से छूट जाते हैं। जो कोई दशहरा को दशाश्वमेध पर नहाकर दशाश्वमेधेश्वर शिवलिंग का भक्ति से पूजन करता है, उसे गर्भदशा का दुख नहीं झेलना पड़ता है. गंगा में डुबकी लगाने से आत्मिक और शारीरिक शुद्धि होती है। इस दिन का स्नान हजार यज्ञों के बराबर माना गया है। स्कन्दपुराण में कहा गया है कि ज्येष्ठ शुक्ला दशमी संवत्सरमुखी मानी गई है इसमें स्नान और दान तो अवश्य करना चाहिए। किसी भी नदी या गंगा में जाकर अर्घ्य एवं तिलोदक (तीर्थ प्राप्ति निमित्तक तर्पण) करना चाहिए। ऐसा करने वाला महापातकों के बराबर के दस पापों से छूट जाता है। खास बात यह है कि जो मनुष्य इस दशहरा के दिन गंगा के पानी में खड़ा होकर दस बार गंगा मंत्रों का जाप करता है वह चाहे दरिद्र हो, चाहे असमर्थ हो, वह भी प्रयत्नपूर्वक गंगा की पूजा कर उस फल को पाता है।

महत्व

गंगा दशहरा के दिन सभी गंगा मंदिरों में भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। वहीं इस दिन मोक्षदायिनी गंगा का पूजन-अर्चना भी किया जाता है। मां गंगा धरती पर ज्येष्ठ शुक्ल की दशमी तिथि को धरती पर पहाड़ों से उतर कर हरिद्वार ब्रह्मकुंड में आईं थी, जिसके फलस्वरूप ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी को हस्त नक्षत्र, बृषभ राशिगत सूर्य एवं कन्या राशिगत चन्द्र की यात्रा के मध्य गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ। इनकी महिमा का गुणगान करते हुए भगवान महादेव श्रीविष्णु से कहते हैं- हे हरे! ब्राह्मण की शापाग्नि से दग्ध होकर भारी दुर्गति में पड़े हुए जीवों को गंगा के सिवा दूसरा कौन स्वर्गलोक में पहुंचा सकता है, क्योंकि गंगा शुद्ध, विद्यास्वरूपा, इच्छा ज्ञान एवं क्रियारूप, दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तापों को शमन करने वाली, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थो को देने वाली शक्ति स्वरूपा हैं। इसीलिए इन आनंदमयी, शुद्ध धर्मस्वरूपिणी, जगत्धात्री, ब्रह्मस्वरूपिणी अखिल विश्व की रक्षा करने वाली गंगा को मैं अपने मस्तक पर धारण करता हूं। कलियुग में काम, क्रोध, मद, लोभ, मत्सर, ईर्ष्या आदि अनेकानेक विकारों का समूल नाश करने में गंगा के समान कोई और नहीं है। विधिहीन, धर्महीन, आचरणहीन मनुष्यों को भी गंगा का सान्निध्य मिल जाए तो वे मोह एवं अज्ञान के भव सागर से पार हो जाते हैं।

पूजन विधि

गंगा दशहरा का व्रत भगवान विष्णु को खुश करने के लिए किया जाता है। प्रातः काल गंगा में 10 डुबकी लगाएं। घर में हों तो पानी में गंगाजल डालकर 10 लोटे जल से स्नान करें। भगवान सूर्य को अर्घ्य दें। मकरवाहिनी गंगा का चित्र रखकर पूजा करें। पूजा में 10 तरह के फूल, फल, मिठाई चढ़ाएं। धूप, दीप, नवैद्य अर्पित करें। ऊं ऐं ह्रीं श्रीं भगवती गंगे नमो नमः व ऊं नमः शिवाय नारायणाय दशहरायै गंगायै नमः मंत्र के एक माला जप करें। गंगा जी का ध्यान करते हुए षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। 10 ब्राह्मणों को वस्त्र दान करें। लक्ष्मी पीपल का पेड़ लगाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से सुख-सौभाग्य घर में बढ़ जाएगा और धन की वर्षा होगी।

संकल्प

सनातन धर्म में भी गंगा जल के विशेष महत्व का वर्णन है। अविरल गंगा बहती रहे, इसके लिए लोगों को गंगा दशहरा के दिन गंगा की स्वच्छता पवित्रता बनाए रखने का भी संकल्प लेना चाहिए। ह्लगंगा को पूजेंगे नहीं, संरक्षित भी करेंगे। गंगा में दीप बहाएंगे, पर प्लास्टिक नहीं फेंकेंगे। जल का महत्व समझेंगे, और हर बूँद का आदर करेंगे।ह्व

गंगा कथा

इस दिन सुबह स्नान, दान तथा पूजन के उपरांत कथा भी सुनी जाती है जो इस प्रकार से है-प्राचीनकाल में अयोध्या के राजा सगर थे। महाराजा सगर के साठ हजार पुत्र थे। एक बार सगर महाराज ने अश्वमेघ यज्ञ करने की सोची और अश्वमेघ यज्ञ के घोडे को छोड़ दिया। राजा इन्द्र यह यज्ञ असफल करना चाहते थे और उन्होंने अश्वमेघ का घोड़ा महर्षि कपिल के आश्रम में छिपा दिया। राजा सगर के साठ हजार पुत्र इस घोड़े को ढूंढते हुए आश्रम में पहुंचे और घोड़े को देखते ही चोर-चोर चिल्लाने लगे। इससे महर्षि कपिल की तपस्या भंग हो गई और जैसे ही उन्होंने अपने नेत्र खोले राजा सगर के साठ हजार पुत्रों में से एक भी जीवित नहीं बचा। सभी जलकर भस्म हो गये। राजा सगर, उनके बाद अंशुमान और फिर महाराज दिलीप तीनों ने मृतात्माओं की मुक्ति के लिए घोर तपस्या की ताकि वह गंगा को धरती पर ला सकें किन्तु सफल नहीं हो पाए और अपने प्राण त्याग दिए। गंगा को इसलिए लाना पड़ रहा था क्योंकि पृथ्वी का सारा जल अगस्त्य ऋषि पी गये थे और पुर्वजों की शांति तथा तर्पण के लिए कोई नदी नहीं बची थी। महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ हुए उन्होंने गंगा को धरती पर लाने के लिए घोर तपस्या की और एक दिन ब्रह्मा जी उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट हुए और भगीरथ को वर मांगने के लिए कहा तब भगीरथ ने गंगा जी को अपने साथ धरती पर ले जाने की बात कही जिससे वह अपने साठ हजार पूर्वजों की मुक्ति कर सकें। ब्रह्मा जी ने कहा कि मैं गंगा को तुम्हारे साथ भेज तो दूंगा लेकिन उसके अति तीव्र वेग को सहन करेगा? इसके लिए तुम्हें भगवान शिव की शरण लेनी चाहिए वही तुम्हारी मदद करेगें। अब भगीरथ भगवान शिव की तपस्या एक टांग पर खड़े होकर करते हैं। भगवान शिव भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर गंगाजी को अपनी जटाओं में रोकने को तैयार हो जाते हैं। गंगा को अपनी जटाओं में रोककर एक जटा को पृथ्वी की ओर छोड. देते हैं। इस प्रकार से गंगा के पानी से भगीरथ अपने पूर्वजों को मुक्ति दिलाने में सफल होता है।

दशाश्वमेध में स्नान से गर्भदशा से मिलती है मुक्ति

तीर्थ शिरोमणि दशाश्वमेध तीर्थ पर स्नान के बाद दशाश्वमेधेश्वर के दर्शन से जीवन के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। दशाश्वमेध तीर्थ पर ब्रह्मदेव ने भगवान शिव के दशाश्वमेधेश्वर स्वरूप को स्थापित किया था। गंगा स्नान की अपनी अलग महिमा है। वहीं, दशाश्वमेध तीर्थ पर स्नान से इसका महत्व बढ़ जाता है। दशाश्वमेध तीर्थ पर मां पार्वती माता शीतला के स्वरूप में और भगवान विश्वेश्वर दशहरेश्वर के रूप में भक्तों का कल्याण करते हैं। मान्यता है कि गंगा के पश्चिम तट पर विराजमान दशहरेश्वर को प्रणाम करने से व्यक्ति कभी दुर्दशा में नहीं पड़ सकता है। दशाश्वमेधेश्वर महादेव का विग्रह दशाश्वमेध घाट पर बड़ी शीतला माता मंदिर के प्रांगण में है। काशी महात्म्य के अनुसार ब्रह्मा जी ने दशाश्वमेध तीर्थ स्थान पर दिवोदस का अश्वमेघ यज्ञ किया था और मां गंगा के आने से पूर्व यह क्षेत्र रुद्रवास तीर्थ स्थान के नाम से विख्यात था। शीतला घाट नाम तो मनुष्यों ने रखा है। वास्तव में यही असली दशाश्वमेध तीर्थ या रुद्रवास तीर्थ है। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी की प्रत्येक तिथियों में क्रम से स्नान करने वाला व्यक्ति हर जन्म के पापों से मुक्त हो जाता है।

प्रमुख तीर्थस्थल जहाँ गंगा दशहरा की भव्यता दिखती है

हरिद्वार हर की पौड़ी पर भव्य आरती और लाखों श्रद्धालुओं का स्नान

वाराणसी गंगा घाटों पर दिव्य आरती, दीपदान और विशेष पूजन

प्रयागराज संगम में स्नान, हवन और गंगा पूजन का आयोजन

गंगोत्री गंगा के उद्गम स्थल पर विशेष पूजा और दर्शन

## पीएस फाउंडेशन ने किया मेधावी छात्रों का सत्कार

**मुंबई (उत्तरशक्ति)**। उपनगर की चर्चित सामाजिक संस्था पीएस फाउंडेशन व पंचायती सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में दसवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों भव्य सत्कार सत्यनारायण गोयनका हाल जेबी नगर अँधेरी पूर्व में किया गया। इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष और पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा ने छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि आप सब प्रतिभावान छात्र हैं और मुझे उम्मीद है कि एक ना एक दिन राष्ट्र निर्माण में आप के योगदान को याद किया जायेगा। और शर्मा ने आगे उनके अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों की पढाई लिखाई कभी नही रुकनी चाहिये। यही इनका जीवन और भविष्य है। जैसा कि आप सब को पता है फाउंडेशन बढ़ चढ़कर फ्री मेडिकल सेवा सार्वजनिक रूप से पूरे विधानसभा में जन जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

पीएस फाउंडेशन की महिला स्वालंबन समिति की अध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रशांत आयरे, संगीता पारेख,नूतन सरनाईक,शाहनाज, सुनीता निगम,मनीष पटेल, पुष्पा त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में छात्र व छात्रायें मौजूद थी।

## जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल स्रोत सुदृढ़ीकरण और स्थायित्व का प्रशिक्षण आयोजित

**पालघर(उत्तरशक्ति)**। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल की संकल्पना को साकार करने हेतु जल स्त्रोतों को दूषित और प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए उनके सुदृढ़ीकरण और स्थायित्व की आवश्यकता को समझते हुए शासन स्तर पर विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

यह प्रशिक्षण केंद्र सरकार द्वारा चयनित प्रमुख संसाधन संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर के पाँच प्रतिनिधियों को दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें जल स्रोत सुदृढ़ीकरण, स्थायित्व और जल गुणवत्ता जांच एवं जनजागरूकता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है। पालघर पंचायत समिति क्षेत्र के अंतर्गत यह प्रशिक्षण चिंतामणि मंगल कार्यालय सभागृह में शुभारंभ किया गया, वहीं डहाणू तहसील में यह कार्यक्रम लक्ष्मी प्लाजा हॉल, डहाणू में शुरू हुआ। प्रशिक्षण में ग्राम जल आपूर्ति समिति के अध्यक्ष (सरपंच), सचिव (ग्रामसेवक) और तीन अन्य सदस्य उपस्थित रहे। यह पहल जल संकट को दूर करने तथा सतत जल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। इसके माध्यम से ग्रामीण समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। ज्ञात हो कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2019 में की गई थी। इस योजना का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को व्यक्तिगत, कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है।

## बोल्ट .अर्थ ने किया ब्लेज डीसी का अनावरण

**मुंबई (उत्तरशक्ति)**। भारत के ईवी चार्जिंग परिवेश में उल्लेखनीय कदम बढ़ाते हुए भारत के सबसे बड़े ईवी चार्जिंग नेटवर्क बोल्ट.अर्थ ने आज इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के लिए देश के पहले युनिवर्सल डीसी फास्ट चार्जर का लॉन्च किया है। चार्जर की ब्लेज डीसी सीरीज को भारत के ईवी सिस्टम की सबसे बड़ी चुनौती को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है। दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के लिए हाई- इंटरऑपरेबल चार्जिंग समाधानों की कमी एक बड़ी समस्या है, जबकि देश के 80 फीसदी ईवी इसी कैटेगरी में आते हैं। पूरी तरह से भारत में डिजाइन, विकसित एवं निर्मित किया गया ब्लेज डीसी चार्जर एक युनिवर्सल, कॉम्पैक्ट एवं ग्रिड-अनुकूल चार्जर है। यह टाईप 6 एवं एलईसीसीएस टाईप 7 कनेक्टर्स को सपोर्ट करता है तथा टॉप ईवी ब्राण्ड्स जैसे एथर, ओला, अल्ट्रावॉयलेट, हीरो मोटोकोर्प, मैटर मोटर्स एवं सिंपल एनर्जी के साथ कम्पेटिबल है।

मार्केट में ब्राण्ड के अनुसार विशिष्ट एवं स्लो चार्जिंग सेटअप हैं, जो चुनिंदा लोकेशनों पर ही उपलब्ध होते हैं। लेकिन ब्लेज डीसी भारत की ग्रिड परिस्थितियों के अनुकूल पावरफुल प्लग-एण्ड-प्ले समाधान पेश करता है। बिजली जैसी तेज स्पीड- 12 किलोवॉट वेरिएन्ट में 15 मिनट में 120 किलोमीटर तक- यह प्रभावी चार्जिंग की जरूरत को तुरंत पूरा करता है तथा ईवी यूजर्स को सुलभ, भरोसेमंद एवं सुविधाजनक साधन उपलब्ध कराता है। स्पीड के दायरे से बढ़कर ब्लेज डीसी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसकी सर्विस और मेंटेनेन्स बेहद आसान है। इसका मोड्यूलर बिल्ड जल्द रिपेयर किया जा सकता है। वहीं रिमोट डायग्नॉस्टिक्स एवं रियल-टाईम एरर डिटेक्शन सुनिश्चित करते हैं कि कम से कम डाउनटाईम में समस्या जल्द से जल्द हल हो जाए। लॉन्च के अवसर पर राघव भारद्वाज, सीईओ, बोल्ट.अर्थ ने कहा, बोल्ट.अर्थ में हमारा मानना है कि भारत में ईवी अडॉप्शन सही मायनों में तब तक नहीं हो सकता, जब तक उनकी फास्ट चार्जिंग की समस्या हल न हो जाए- फिर चाहे ऑटो रिक्शा चालक हों, फूड डिलीवरी कर्मचारी या छोटे कारोबार मालिक जो दोपहिया एवं तिपहिया वाहनां पर निर्भर करते हैं।

# राष्ट्रमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर भव्य समारोह संपन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)**। पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होलकर सामाजिक प्रतिष्ठान बोईसर-पालघर और जयंती उत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में बोईसर शहर में राष्ट्रमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती बड़े ही भव्य और ऐतिहासिक तरीके से मनाई गई।

इस गौरवशाली कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7 बजे तारापुर किले से मशाल जलाकर हुआ। यह मशाल बाइक, रिक्शा, मोटर और पैदल रैली के माध्यम से तारापुर किला, पाचमार्ग, परनाली, पास्थल, चित्रालय, बोईसर बस डिपो, बोईसर रेलवे स्टेशन, यशवंत सृष्टि होते हुए बिरसा मुंडा मैदान, खैरपाडा, बोईसर पहुंची। पूरे रैली मार्ग पर नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बिरसा मुंडा ग्राउंड पर पारंपरिक ढंग से धनगर समाज की रीतियों के अनुसार उपस्थित भक्तों के माथे पर भंडारा लगाकर स्वागत किया गया। महिलाओं द्वारा अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति और प्रतिमा का पूजन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संस्कार सेवा संस्था की ओर से डॉ. प्रियंका पाटिल और उनकी टीम द्वारा निशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ लिया। इस समारोह में मनोर के माननीय संतोष जनाठे, संजय पाटिल, तेजस पवार, भरत चव्हाण, सोमनाथ भोजने, महेंद्र भोणे, अनंत दळवी, विजय बागल, नानासाहेब साठे, प्रमोदराव जाधव, बाबासाहेब गाजरे, वैशाली

सादुलवाड, डॉ. श्री व सौ. देवाकाते, समीर मोरे, निलेश मोरे, रंगाराव गढरी सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इन सभी महानुभावों के करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं प्रतिमा पूजन संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत एक पौधा भेंट कर किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. प्रकाश हसनालकर (जिला पशुसंवर्धन अधिकारी, पालघर) एवं ईजी. पवन महाराज दवंडे (अमरावती) ने अपने प्रभावशाली वक्तव्यों के माध्यम से अहिल्याबाई होलकर के जीवन, कार्य और होलकर शासन की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो उठे। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने के लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सामाजिक प्रतिष्ठान (रजि.) एवं जयंती उत्सव समिति के गोपीचंद वडितके, राजू आखाडे, प्रमोद कंखरे, अंकुश कोलेकर, चक्रधर बावस्कर, प्रणील कोळगावे, रवि सरगर, उमेश डाईंगडे, विलास पुकळे, नाना सरगर, संजय पाल, ज्ञानेश्वर जरग, आनंद सवदे, अक्षय येळे, बापू कोलेकर, कृष्णा देशमुख, विनायक देशमुख, सूर्यकांत मोहिते, महेश नागणे, मंगेश नागणे, विजय वैद्य आदि कार्यकताओं ने अथक मेहनत की। इस कार्यक्रम का सुंदर एवं प्रभावशाली सूत्रसंचालन सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका स्मिता मालवदे ने किया। महिलाओं के सम्मान हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों के लिए स्नेहभोज की व्यवस्था भी की गई थी।कार्यक्रम के समापन पर गोपीचंद वडितके ने उपस्थित सभी अतिथियों, कार्यकताओं और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की विधिवत समाप्ति की।

## शिक्षा और चिकित्सा हेतु सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट द्वारा मदद

**मुंबई (उत्तरशक्ति)**। समाज में जब कोई विपत्ति आती है, तो कई बार मदद करने वाले चुपचाप अपना कर्तव्य निभाते हैं। ऐसी ही एक मिसाल है सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, जो मुंबई से संचालित होते हुए भी देशभर में जरूरतमंद प्रजापति समाज के परिवारों की सहायता हेतु निरंतर सक्रिय है। मई 2025 में ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर, प्रतापगढ़ और सीतापुर जिलों के पाँच जरूरतमंद परिवारों को शिक्षा, चिकित्सा एवं सामाजिक कारणों से आर्थिक सहयोग प्रदान किया। यह सहायता निम्न प्रकार रहीः गोपाल प्रजापति (जौनपुर) कैंसर उपचार हेतु 10,000, रानी देवी प्रजापति (प्रतापगढ़) चिकित्सा सहायता हेतु 10,000, सुनील प्रजापति (जौनपुर) सड़क दुर्घटना के बाद इलाज हेतु 25,000, जौनपुर में एक कन्यादान हेतु 25,000, सीतापुर में एक कन्यादान हेतु 5,100, इस नेक कार्य के पीछे ट्रस्ट के प्रमुख अजय प्रजापति का अथक प्रयास है, जो मुंबई से विभिन्न माध्यमों से समाज के सहयोगियों से संपर्क कर छोटी-छोटी राशि एकत्रित करते हैं और पारदर्शी तरीके से जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं। ट्रस्ट द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता केवल चेक या बैंक ट्रांसफर के माध्यम से प्रदान की जाती है, जिससे संपूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहती है। इससे पूर्व अप्रैल 2025 में भी ट्रस्ट द्वारा 6 जरूरतमंद परिवारों को लगभग 1.25 लाख की सहायता प्रदान की गई थी।

# जिला परिषद पालघर का अभिनव कदम, सेवानिवृत्ति के दिन ही वितरित किए गए 8.5 करोड़ रुपये के लाभ

**पालघर (उत्तरशक्ति)**। जहां एक ओर राज्य के कई हिस्सों में सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त होने के बाद महीनों तक अपने लाभों की प्रतीक्षा करते हैं, वहीं पालघर जिला परिषद ने एक अनुकरणीय मिसाल कायम करते हुए सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी आर्थिक लाभ वितरित कर एक नया आदर्श स्थापित किया है। 31 मई को 66 कर्मचारियों ने सेवा से निवृत्ति ग्रहण की। उनकी विदाई के उपलक्ष्य में 2 जून को जननायक बिरसा मुंडा सभागार में आनंदी सेवा निवृत्ती दिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल और पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया, और लगभग 8.5 करोड़ रुपये के लाभ तत्काल वितरित किए गए।

इस विशेष कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी धनराज पांडे, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, वित्त विभाग के गुलाबराव कांबले, कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी सुनील वाडेकर सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने बोलते हुए कहा, सेवानिवृत्त कर्मचारी अब जागरूक और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं और अपने जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बनाएं। मुख्य लेखा अधिकारी धनराज पांडे ने बताया कि समूह बीमा योजना के 1300 मामलों का निपटारा किया गया है जबकि 150 मामले प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोई भी कर्मचारी पेंशन या बीमा से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि तीन से छह माह के भीतर पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय पर लाभ वितरण केवल इसलिए संभव हो पाया क्योंकि लेखा विभाग ने कर्मचारियों की सेवा पुस्तकों की सावधानीपूर्वक जांच कर सभी त्रुटियों को समय रहते दूर कर लिया था।

## विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कल्याण में प्लास्टिक विरोधी जनजागृति रैली

**कल्याण (उत्तरशक्ति)**। बुधवार को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका और सामूहिक मलजल प्रक्रिया केंद्र की ओर से कल्याण स्थित दुर्गाड़ी किला से आचार्य अत्रे रंगमंदिर तक विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्लास्टिक विरोधी जनजागृति रैली निकाली गई। एकल प्लास्टिक का उपयोग न करें, कपड़े की थैली का उपयोग करें, पर्यावरण की रक्षा करें, ऐसा संदेश इस रैली के माध्यम से दिया गया।इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी जयवंत हजारे, तकनीकी सलाहकार नंदकुमार गौरव, प्रो. पुरुषोत्तम काले, पालिका की कार्यकारी अभियंता रोहिणी लोकरे,

सामूहिक मलजल प्रक्रिया केंद्र के अध्यक्ष डॉ. देवेन सोनी और अन्य मान्यवर उपस्थित थे। कल्याण के दुर्गाड़ी किले से आचार्य अत्रे रंगमंदिर तक रैली निकाली गई। प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें, पर्यावरण का ध्यान रखे ,एक पृथ्वी झ एक अवसर, प्लास्टिक से मुक्त करें जमीन,प्लास्टिक पर पाबंदी जरूरी है, कोई विकल्प नहीं,स्वच्छ पृथ्वी, हरी पृथ्वी,प्लास्टिक रहित नई सृष्टि,प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली झ सुंदर पृथ्वी की कुंजी,प्लास्टिक थैली को नकार, पर्यावरण को स्वीकार,जैसे संदेश देने वाले बैनर हाथों में लेकर लोग रैली में शामिल हुए। इसके बाद आचार्य अत्रे रंगमंदिर सभागृह में पालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने पर्यावरण जनजागृति पर संक्षिप्त जानकारी दी।

# वसई रोड स्टेशन पर 20 वर्षों से सेवा दे रहे हमाल भाइयों के साथ अन्याय

**नरेंद्र सोनी**

**वसई रोड (उत्तरशक्ति)**। वसई रोड रेलवे स्टेशन पर पिछले दो दशकों से ईमानदारी और समर्पण के साथ सेवा दे रहे हमाल (कुली) भाइयों को अचानक आजीविका के संकट का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे द्वारा लागू की गई नई ऑनलाइन हमाल ठेका प्रणाली के तहत पुराने हमालों को काम से हटा दिया गया है। यह प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी थी, बल्कि इसमें रेलवे सुरक्षा बल के कथित दुरुपयोग के भी आरोप लगे हैं।

स्थानीय हमालों का कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना या वैकल्पिक व्यवस्था के हटा दिया गया। जब उन्होंने विरोध किया, तो उन्हें आरपीएफ द्वारा डराने-धमकाने, यहां तक कि बेल्ट से मारने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी गई।

इस पूरे घटनाक्रम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गंभीर आपत्ति जताई है। भाजपा महाराष्ट्र के केरल परोक्ष आयोजक उत्तम कुमार, स्थानीय पदाधिकारी सिद्धेश तावड़े, बाला सावंत, और एच.आर.

सक्सेना ने स्टेशन प्रबंधक और आरपीएफ अधिकारियों से इस विषय में मुलाकात की और अपनी आपत्ति दर्ज की।

उत्तम कुमार ने कहा 20 वर्षों की सेवा को एक झटके में समाप्त करना और उसे एक नई ऑनलाइन व्यवस्था से बदल देना न केवल अमानवीय है, बल्कि इन मेहनतकश लोगों के परिवारों के लिए जीवन-मरण का सवाल बन गया है। यदि इन्हें न्याय नहीं मिला, तो भाजपा सड़क पर उतरने को मजबूर होगी। स्थानीय हमाल यूनियन और भाजपा कार्यकताओं ने मिलकर रेलवे प्रशासन से मांग की है कि पुराने हमाल भाइयों को फिर से बहाल किया जाए। इस ठेका प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच हो। RPF द्वारा की गई कथित ज्यादतियों पर कार्रवाई हो। कोई भी नई प्रणाली लागू करने से पहले पारदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए।

भाजपा ने यह भी स्पष्ट किया कि वे इस मामले को रेल मंत्रालय और संसदीय स्तर तक भी ले जाएंगे। जल्द ही इस पर अगली बैठक बुलाई जाएगी जिसमें हमाल यूनियन, सामाजिक संगठनों और रेलवे अधिकारियों को बुलाया जाएगा।

# अवैध रूप से बेची जा रही कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति की जमीन

### सामाजिक कार्यकर्ता ने किया खुलासा

**कल्याण (उत्तरशक्ति)**। कल्याण में कृषि उत्पन्न बाजार समिति की जमीन अवैध तरीके से बेचे जाने का खुलासा हुआ है। यह खुलासा कल्याण के सामाजिक कार्यकर्ता रवि गायकवाड ने की है। उनका कहना है कि विपणन विभाग की मंजूरी लिए बिना सरकारी जमीन कैसे बेची जा सकती है। बतादें कि कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति के संचालक मंडलों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। लेकिन विस्तार का लाभ उठाते हुए संबंधित समिति ने अवैध रूप से जमीन का एक भूखंड बेच दिया है। बाजार समिति का कार्यकाल अप्रैल 2024 में समाप्त हो गया था। समिति का गठन नहीं होने की एवज में कुछ दिनों के लिए उसी कमेटी को एक्सटेंशन दिया गया है। इस मामले में विपणन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि कार्यकाल बढ़ाया गया है, लेकिन बोर्ड के पास कोई नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। समिति ने एक्सटेंशन का फायदा उठाते हुए विपणन विभाग की मंजूरी लिए बिना ही सर्वे नंबर 290/2 की जमीन बेच दी

है। सामाजिक कार्यकर्ता रवि गायकवाड ने भूमि अधिग्रहण विभाग में शिकायत दर्ज कराई है, जिसपर संज्ञान लेते हुए भूमि अभिलेख विभाग ने इस मामले की गहन जांच कर उप रजिस्ट्रार को रिपोर्ट सौंपने का आदेश जारी किया है।

## व्यंकटराव हुंडेकर ने संभाला पालघर जिला कार्यक्रम अधिकारी का पदभार

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)**। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी पद का कार्यभार व्यंकटराव माधवराव हुंडेकर ने 3 मई 2025 को औपचारिक रूप से ग्रहण किया। एक अनुभवी और कुशल प्रशासक के रूप में पहचान बनाने वाले हुंडेकर ने महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाई हैं। हुंडेकर ने अपने सेवा कार्यकाल में शहरी मीरा-भाईंदर (जिला ठाणे) में बाल विकास परियोजना अधिकारी के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण अंबाजोगाई (जिला बीड) और ग्रामीण उदगीर (जिला लातूर) में भी बाल विकास परियोजना अधिकारी के रूप में सेवा दी है। बीड जिले में उन्होंने महिला व बाल विकास अधिकारी के रूप में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शासकीय बालक बालगृह में अधीक्षक के रूप में भी कार्यभार संभाला है।

पदभार ग्रहण करते समय हुंडेकर ने कहा, पालघर जैसा सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से विविध तथा चुनौतियों से भरा जिला मेरे लिए कार्य करने का एक गौरवपूर्ण अवसर है। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। प्रशासन का सहयोग और जनता का साथ लेकर मैं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रयास करूंगा।ह्व इस अवसर पर पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकार मनोज रानडे और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

## मीशो मॉल ने पीएंडजी, एचयूएल और हिमालया जैसी बड़ी कंपनियों के साथ करी साझेदारी

**मुंबई/पटना**। मीशो ने दुनिया की कुछ बड़ी पर्सनल केयर कंपनियों के साथ साझेदारी कर अपने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की रेंज को बढ़ाया है। इसका मकसद है देशभर के ग्राहकों तक उनके पसंदीदा ब्यूटी और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स को और भी आसानी से पहुंचाना। इसमें प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया (पीएंडजी) इंडिया शामिल है, जिसमें पैम्पर्स, व्हिस्पर, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन और जिलेट जैसे ब्रांड आते है। साथ ही हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) भी शामिल है, जो पॉण्ड्स, डव, वैसलीन, एले 18, सनसिल्क, क्लिनिक प्लस, इंदुलेखा, पीयर्स, लक्स और ट्रेसेमी जैसे प्रोडक्ट्स पेश करता है। इसके अलावा हिमालया ब्रांड भी इस साझेदारी का हिस्सा है। यह कदम करोड़ों भारतीय खरीदारों के लिए पर्सनल केयर की बढ़ती मांग के मद्दे नजर उठाया गया है, जो एक अहम जरूरत बनती जा रही है और लोगों की खरीदारी की आदतों में बदलाव ला रही है। वाराणसी से लेकर रायपुर तक या मदुरै से लेकर जोधपुर तक, अब सेल्फ-केयर सिर्फ लोग खास मौकों पर ही नहीं करते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

**स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
**पत्राचार कार्यालयः** मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# होटल में छापेमारी से मचा हड़कंप, कई संदिग्ध जोड़े हिरासत में

## अवैध धंधों की सूचना पर हुई रेड, होटल संचालकों में हड़कंप

### मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के विभिन्न होटलों में पुलिस की अचानक छापेमारी से हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस ने शहर कोतवाली क्षेत्र के कई होटलों पर छापा मारा, जिसके दौरान कई संदिग्ध जोड़ों को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद की गई।

**पुलिस की कार्रवाई से होटल संचालक परेशान:** शहर कोतवाली क्षेत्र में स्थित कई होटलों में गहन जांच-पड़ताल की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटलों में ठहरे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और कई संदिग्ध दस्तावेज भी जब्त किए। इस कार्रवाई के बाद होटल संचालकों में दहशत का माहौल है। पुलिस की ओर से होटल कर्मचारियों से ग्राहकों की जानकारी रखने और रिकॉर्ड को अपडेट रखने की सख्त हिदायत दी गई।

**अवैध गतिविधियों की सूचना पर कार्रवाई:** सूत्रों के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ होटलों में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसके आधार पर पुलिस ने छापेमारी की योजना बनाई और कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है, और उनके पहचान पत्रों और होटल में उनके आने का उद्देश्य जांचा जा रहा है।

**संदिग्ध जोड़े हिरासत में, जांच जारी:** छापेमारी के दौरान पकड़े गए जोड़ों से उनके रिश्ते और ठहरने के कारणों के बारे में पूछताछ की गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये लोग किसी अपराध में तो शामिल नहीं हैं। साथ ही, कुछ लोगों की जानकारी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों से मिलाई जा रही है।

**होटल मालिकों को निर्देश:** पुलिस ने होटलों के प्रबंधन से कहा है कि वे अपने ग्राहकों की पहचान सुनिश्चित करें और प्रत्येक ग्राहक का रिकॉर्ड रखें। इस तरह की गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले होटल संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

**आगे की कार्रवाई:** पुलिस ने संकेत दिया है कि इस प्रकार की छापेमारी अन्य होटलों में भी की जाएगी ताकि शहर में कानून-व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। इस घटना ने होटल व्यवसायियों और स्थानीय निवासियों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाना और शहर को सुरक्षित बनाना है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें।

# साइबर अपराध से बचने के लिए तकनीकी ज्ञान और जागरूकता जरुरी: कुलपति

## विश्वविद्यालय में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में बुधवार को साइबर थाना एवं विश्वविद्यालय के साइबर क्लब द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में नए तरह के साइबर क्राइम और उनसे बचाव पर साइबर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि आज साइबर अपराध बहुत तेजी से बढ़ रहा है इससे बचने के लिए सभी को तकनीकी का सही ज्ञान और जागरूकता बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी हमारी जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर हमें डरा धमका कर ठगी करते है। इस तरह के अपराधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि साइबर अपराधियों से डरने की जरूरत नहीं है बल्कि धैर्य से काम करने की जरूरत है। पहले से आज की तुलना में जागरूकता बढ़ी है जिसके कारण साइबर अपराधी पकडे जा रहे है। उन्होंने कहा कि अधिकांश साइबर अपराधियों का अंतिम उद्देश्य वित्तीय फ्रॉड करना होता है।साइबर क्राइम थाना जौनपुर के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने विस्तार के विविध

साइबर अपराधों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल अरेस्ट एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है। पुलिस, जज, सीबीआई, आरबीआई के अफसर बनकर साइबर अपराधियों द्वारा बड़े लोगों को डराया और धमकाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई मोबाइल पर पैसे की मांग करें या डराए तो उसकी शिकायत साइबर क्राइम पोर्टल या साइबर थाने में जरूर करें।इसी क्रम में आलोक सिंह ने भी साइबर अपराध से बचने के उपाय बताये

।साइबर क्राइम थाने के संग्राम यादव ने कहा कि साइबर अपराधी लालच देकर लोगों को फंसा रहे हैं इन्वेस्टमेंट फ्रॉड बहुत तेजी से बढ़ रहा है। एक साल में पैसा डबल करने का प्रलोभन अगर मिले तो सावधान रहें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों को गेमिंग एप से दूर रखें बहुत सारे साइबर अपराधी गेमिंग एप के माध्यम से फ्रॉड कर रहे हैं। उन्होंने लोन एप से हो रहा है फ्रॉड को भी बताया। कहा कि सावधानी के साथ बैंकों से लोन लेना चाहिए। विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने नए तरीके के साइबर अपराधों के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, बबीता सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. राज बहादुर यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव, संजय सिंह, ऋचा सिंह, सुशील प्रजापति, साइबर थाने के सुगम यादव एवं आकांक्षा सिंह समेत अन्य अन्य लोग उपस्थित रहे।

# कम्पोजिट विद्यालय कुरनी में चल रहे समर कैम्प का मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक मडियाहूं अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय कुरनी में चल रहे समर कैम्प का बुधवार की सुबह मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन अरुण मौर्य (डीसी-एमडीएम) एवं जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल पाण्डेय (डीसी-ट्रेनिंग) भी उनके साथ मौजूद रहे। तीनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर में चल रही शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों, बच्चों के समूह कार्य, विज्ञान, कला, खेल एवं अभिव्यक्ति पर केंद्रित गतिविधियों का अवलोकन किया। वहाँ बच्चों के

उत्साह व शिक्षकों की लगन को देख कर अधिकारीगण प्रभावित हुए। मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों के उत्साह, उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों एवं शिक्षकगणों की सजगता की सराहना करते हुए कहा कि ह्लइस प्रकार के समर कैम्प बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनमें बच्चों को पाठ्यक्रम से हटकर जीवन कौशल, रचनात्मकता एवं नेतृत्व का भी प्रशिक्षण मिलता है।

उन्होंने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती श्यामिनी सिंह एवं उनकी समर्पित टीम को प्रशंसनीय आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। अधिकारियों ने बच्चों से संवाद भी किया और उनकी गतिविधियों में सहभागिता दिखाई, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ गया।विद्यालय परिसर में संचालित समर कैम्प में बाल साहित्य, चित्रकला, समूह चर्चा, विज्ञान प्रयोग, मृत्तिका कला, नृत्य एवं योग जैसे सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। यह कैम्प बच्चों को ग्रीष्मावकाश के दौरान रचनात्मक एवं शैक्षिक गतिविधियों से जोड़े रखने का प्रयास है।जिसकी प्रशंसा शिक्षाविदों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक कर रहे हैं। इस अवसर पर ब्लॉक स्तरीय शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं ग्राम समुदाय के सदस्य भी उपस्थित रहे।

# पत्नी से तलाक होने की बात से तनाव में आकर पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

केराकत,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के मीरपुर गांव में मंगलवार की शाम एक 27 वर्षीय युवक ने पत्नी के तलाक लेने से दुखी होकर फांसी लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अरविन्द उर्फ गोलू सरोज की शादी सात साल पूर्व सीमा सरोज निवासी परमानन्दपुर के साथ में हुई थी। किसी? कारण वश पति व पत्नी में अनबन चल रही थी। जिसमें पंचायत में तय हुआ था कि दोनों पक्ष जौनपुर जाकर तलाक के कागजात पर साइन कर देंगे और अलग रहेंगे। तय समय पर दोनों जौनपुर कचहरी तो पहुंचे लेकिन अरविन्द ने तलाक के कागजात पर साइन नहीं किया और घर आकर छत के हुक में साड़ी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर युवक की दर्दनाक मौत

चंदवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। औड़िहार जौनपुर रेल प्रखंड पर कृष्णा नगर बाजार के सामने मंगलवार शाम जल जीवन मिशन योजना में काम कर रहे लखीमपुर जिले के नीमगांव थानाक्षेत्र के व्यासपुर गांव निवासी 20 वर्षीय राम मिलन पुत्र विश्राम की ट्रेन की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी पतरही धर्मेंद्र दत्त ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई पूरी की।

## दूल्हे की गाडी के चपेट में आने से मोटर साइकिल सवार घायल

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे प्रतापगंज बाजार में दूल्हे की गाडी के चपेट में आने से एक मोटर साइकिल सवार युवक घायल हो गया। जानकारी मिलने पर परिजन उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहा उसका इलाज चल रहा है। श्रीकांत उपाध्याय निवासी आलिशाहपुर अपने मोटर साइकिल से प्रतापगंज बाजार आए थे। वहां मौजूद लोगों की माने तो सड़क पार करते समय विपरीत दिशा से एक दूल्हे की गाडी दुल्हन की विदाई करा कर वापस घर जा रहा था, अचानक चपेट में आने से श्रीकांत उपाध्याय घायल हो गए।

# बारात लेकर जा रहे दूल्हे की हुई पिटाई

## मारपीट में दूल्हे के नाना और मामा सहित परिवार के कई सदस्य घायल

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के बराई गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बारात की तैयारियों के बीच जमीन विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस झगड़े में बारात लेकर जा रहे दूल्हे की जमकर पिटाई हो गई। मारपीट में दूल्हे के नाना और मामा सहित परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए। घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे की है। जानकारी के अनुसार, एक तरफ घर में शादी की रौनक थी और बारात निकलने की तैयारियां अंतिम चरण में थीं। तभी पुराने जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस मारपीट में दूल्हा समेत कई लोग घायल हो गए। दूसरे पक्ष के कुछ लोगों को भी चोटें आई हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल में रात करीब 9 बजे बगल के गांव डौणी में बारात ले जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस की निगरानी में बारात रवाना हुई।

### जौनपुर में एसपी का एक्शन

# बदलापुर के थानेदार पर गिरी गाज, लापरवाही बरतने पर किया लाइन हाजिर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कानून-व्यवस्था को लेकर एसपी की सख्ती अब कार्रवाई के रूप में सामने आ रही है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लापरवाही बरतने वाले बदलापुर थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय को लाइन हाजिर कर दिया गया है।इसके साथ ही जिले में तीन थानाध्यक्षों की तैनाती में बदलाव किया गया है। पुलिस महकमे में इस फेरबदल को प्रभावी कार्रवाई माना जा रहा है। नेवढ़िया थाने की कमान राजाराम द्विवेदी को सौंपी गई है। महराजगंज थाना

प्रभारी अमित पांडेय बनाए गए हैं तो वही बदलापुर की जिम्मेदारी अरविंद पांडेय को दी गई है। एसपी पीआरओ को भी नई जिम्मेदारी दी गई है, जिससे साफ है कि पूरे जिले में जिम्मेदारी तय करने और कार्यशैली में सुधार की कवायद तेज कर दी गई है। एसपी की सख्ती और त्वरित कार्रवाई से साफ है कि जिले में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस महकमे में यह फेरबदल आने वाले समय में और भी कड़े कदमों का संकेत माना जा रहा है।

# एफआईआर कराने पर युवक को दोबारा पीटा

## मोबाइल चोरी की सूचना देने वाले को तलवार दिखाकर धमकाया, भाई का फोड़ा सिर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में मोबाइल चोरी की सूचना देने वाले युवक को दबंगों ने दो बार पीटा। मंगलवार शाम करीब 7 बजे दबंग युवक को घर से उठा ले गए। बारात में हुई मोबाइल चोरी का खुलासा करने पर दबंगों ने उसकी पिटाई की। पीड़ित करन मौर्य जलालपुर थाना क्षेत्र के जलालुद्दीनपुर गांव का रहने वाला है।

**दोनों को रास्ते में रोका:** उसने पुलिस में चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जब करन अपने भाई के साथ रात 9 बजे थाने से लौट रहा था, तब दबंगों ने दोनों को रास्ते में रोका। लाठी-डंडे और तलवार से लैस दबंगों ने दोनों भाइयों को पीटा। इस हमले में करन के भाई का सिर फट गया। दबंगों ने तलवार दिखाकर धमकी दी कि अगर और शिकायत की तो गर्दन उड़ा देंगे।

**रिश्तेदारों को पीटा गया:** जलालपुर थाना क्षेत्र में दबंगों का आतंक बढ़ता जा रहा है। एक ही रात में कई गांवों से मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। कहीं दूल्हे और उनके रिश्तेदारों को पीटा गया तो कहीं महिलाओं की पिटाई की गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

# मेडिकल कालेज जौनपुर में मोतियाबिंद जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्या प्रो.डा.रूचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो.डा. एए जाफरी के दिशा निर्देश में नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा० चन्द्रभान द्वारा बुधवार को मोतियाबिंद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेडिकल कालेज की प्राचार्या प्रो.डा.रुचिरा सेठी रही। उन्होने अपने उद्बोधन में बताया कि यह माह 01 जून से 30 जून, 2025 तक हमें मोतियाबिंद जागरूकता के तौर पर मनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित मरीजो एवं उनके तीमारदार को बताया कि मोतियाबिन्द का आपरेशन बहुत लम्बा नहीं होता है। आपको अपने परिवार में एवं आस-पास के लोगों को जागरूक करने की आवश्यता है कि समय-समय पर आँख की जाँच कराते रहें।जिससे यदि किसी को भी मोतियाबिन्द की समस्या है तो उसका समय से उपचार किया जा सके। किसी लम्बी बीमारी या मधुमेय से पीड़ित व्यक्ति को मोतिया बिन्द की समस्या जल्द हो जाती है। मेडिकल कालेज में जाँच की सुविधा पूर्ण रूप से उपलब्ध है। जल्द ही कालेज के चिकित्सक ऑपरेशन की प्रक्रिया की तरफ बढ़ जायेंगे और यह सुविधा भी आपको जल्द ही मिलने वाली है।

नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा० चन्द्रभान ने मोतियाबिन्द से बचाव के विभिन्न सुझाव दिये।(1) नियमित नेत्र जांच कराएं-उम्र बढ़ने के साथ-साथ हर 6 माह-1 साल में आंखों की जांच कराना जरूरी है ताकि शुरूआती अवस्था में मोतियाबिंद की पहचान हो सके।(2) धूप से

आंखों को बचाएं तेज धूप में वश किरणें आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बाहर जाते समय धूप का चष्मा (वश प्रोटेक्शन वाला) पहनें।(3) धूम्रपान और शराब से बचें- ये आदते मोतियाबिन्द के खतरे को कई गुना बढ़ा देती हैं। (4) ब्लड शुगर और बीपी नियंत्रित रखें डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से मोतियाबिंद जल्दी हो सकता है। नियमित जांच करवाएं।(5) स्वस्थ आहार लें- हरी पत्तेदार सब्जियाँ गाजर, संतरा, आँवला, नट्स और विटामिन अ, उ और ए युक्त आहार आंखों के लिए लाभकारी होते हैं।

तथा उन्होंने मातियाबिंद के के उपचार के बारे में बताया (1) प्रारंभिक अवस्था में नजर कमजोर होने पर चश्में की सहायता ली जा सकती है। अच्छी रोशनी में पढ़ने-लिखने की सलाह दी जाती है। (2) अग्रिम अवस्था में- जब मोतियाबिंद से दृष्टि धुंधली हो जाए और दैनिक कार्यों में बाधा आने लगे, तब सर्जरी (फेको इमल्सिफिकेशन) में टांके नहीं लगते और रोगी कुछ ही दिनों में सामान्य जीवन जी सकता है। ध्यान रखें: मोतियाबिंद का समय पर इलाज न करने पर स्थायी अंधापन हो सकता है। इसका कोई घरेलू इलाज या दवा से स्थायी समाधान नहीं है केवल सर्जरी ही कारगर है।

सहायक आचार्य, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल ने बताया कि मोतियाबिंद एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन जागरूकता, समय पर जांच और उचित इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है इलिए, हमें खुद भी जागरूक रहना चाहिए और दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए।

चिकित्सा अधीक्षक डा० विनोद कुमार ने बताया कि मातियाबिंद को लेकर सही जानकारी फैलाना, ग्रामीण इलाकों में नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करना और बुजुर्ग को नियमित जांच के लिए प्रेरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सहायक आचार्य, डा० अलिशा अंजुम ने मोतियाबिंद के बिभिन्न लक्षणों को प्रोजेक्टर के माध्यम से मरीजो एवं उनके तीमारदार को दिखाकर विस्तृत जानकारी दी एवं उसके बचाव तथा उपचार के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० मो० शादाब द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित समस्त का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक डा० जितेन्द्र, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० अरविन्द पटेल, डा० बृजेश, डा० अभिषेक, डा० पंकज, डा० जयसूर्या, डा अजय, डा० दिनेश, डा० रेनू, डा० स्वाती, डा० हीरा स्माइल, डा० रिनु कोहली एवं नर्सिंग आफिसर तथा मरीज व उनके तीमारदार व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

# मुख्यमंत्री का 53वां जन्मदिन आज, 53 दिव्यांगों को बांटी जाएगी ट्राई साइकिल

## वृक्षारोपण कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाएगी राजपूत सेवा समिति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 53वे जन्मदिन पर राजपूत सेवा समिति द्वारा वृक्षारोपण व दिव्यांगों में ट्राई साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के उपलक्ष में 5 जून को प्रातः 7:30 बजे तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज परिसर के तालाब के चारो तरफ लगभग 200 फलदार पौधो का रोपण किया जाएगा उसके बाद जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए 53 दिव्यांगों में ट्राई साइकिल का वितरण किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद में स्थापित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथो कराया गया था।

# खेतासराय में केबल ब्लास्ट होने से 12 घंटे ठप रही बिजली आपूर्ति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।खेतासराय स्थानीय कस्बा में मंगलवार की रात्रि अचानक बिजली गुल हो जाने से लोगों को रात भर जाग कर बिताना पड़ा। बिजली न रहने से उमस भरी गर्मी से लोग बिलबिला उठे। लगभग 12 घंटे बाद बुधवार की सुबह लगभग 11 बजे बिजली आपूर्ति बहाल हुई।रात्रि लगभग 11 बजे तक नगर में बिजली आपूर्ति ठीक ठाक रही। अचानक बिजली गुल हो जाने पर लोग ट्रिपिंग का अनुमान लगा रहे थे। घंटे भर बाद भी बिजली नहीं आई तो लोग बिजली गुल होने का कारण एक दूसरे से पूछते रहे। बिजली कर्मचारियों से मालूम पड़ा कि विद्युत उपकेंद्र खेतासराय का केबल ब्लास्ट हो जाने से बिजली नहीं आ रही है। बिजली गुल हो जाने से लोगों को उमस भरी गर्मी में करवटें बदलते रात गुजारनी पड़ी। विभागीय अधिकारी मरम्मत कर नागरिकों को राहत पहुंचाने के बजाय चुप्पी साधे रहे। सुबह होने पर ब्लास्ट केबल की मरम्मत की सुधि आई। जेई संजय कुमार प्रजापति ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र पर 33 हजार की केबल ब्लास्ट हो गया था। मरम्मत कराकर दस बजे आपूर्ति चालू करा दिया गया।

# योग एवं स्वास्थ्य शिविर का कुलपति ने स्वास्थ्य परीक्षण करा किया शुभारंभ

## ब्लड प्रेशर, सूगर, बीएमआई, ऑक्सीजन स्तर, हृदय गति, वजन, तनाव, एंग्जायटी की जांच की गई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

के प्रशासनिक भवन स्थित मीटिंग हॉल में विश्वविद्यालय एवं उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में योग एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण कर शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने योग को जीवनशैली का अभिन्न अंग बताया। शिविर में मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार यादव (पीडियाट्रिक विभाग), डॉ. पुनीत सिंह (स्वास्थ्य केंद्र), नर्सिंग ऑफिसर शिवानी वर्मा, एम.पी.डब्ल्यू. राहुल विश्वकर्मा एवं राहुल कुमार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।जांच में ब्लड प्रेशर, शुगर, बीएमआई, ऑक्सीजन स्तर, हृदय गति, वजन, तनाव, ओवरथिंकिंग तथा एंग्जायटी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस शिविर की विशेषता यह रही कि सभी प्रतिभागियों का एक सप्ताह तक नियमित योगाभ्यास कराया जाएगा और पुनः स्वास्थ्य परीक्षण कर सुधार की समीक्षा की जाएगी।शिविर में कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अमृत लाल, अजीत प्रताप सिंह एवं बबीता सिंह सहित 100 से अधिक विश्वविद्यालय शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र एवं अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त प्रयास एवं योग समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# पीयू में हाई-टेकनेक्स्ट की ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 4 जून 2025 को केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हाई-टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, पश्चिम बंगाल द्वारा इंजीनियरिंग छात्रों हेतु ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। यह प्रक्रिया गूगल मीट के माध्यम से संचालित हुई जिसमें छात्रों ने दिए गए लिंक के जरिए भाग लिया। कार्यक्रम की

शुरूआत कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर मेराज अहमद द्वारा प्री-प्लेसमेंट प्रजेंटेशन से हुई, जिसमें कंपनी की कार्यशैली, प्रोजेक्ट्स, वेतन संरचना तथा भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई। छात्रों तथा विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों ने कंपनी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न पूछे जिनका संतोषजनक उत्तर कंपनी के प्रतिनिधियों ने दिया।इसके पश्चात छात्रों का तकनीकी और एचआर साक्षात्कार क्रमशः कंपनी के एचआर विभाग द्वारा टेलीफोनिक माध्यम से लिया गया। चयनित छात्रों को ईमेल के माध्यम से सूचना दी जाएगी। यह अवसर बी.टेक/बी.ई/डिप्लोमा (एएए, एउए, एए, टए, एक्र, उए) स्ट्रीम के छात्रों के लिए था। प्रारंभिक तीन माह की प्रोबेशन अवधि में 22,000 से 30,000 प्रतिमाह वेतन निर्धारित है, जिसमें आवास व यात्रा भत्ता भी शामिल है।कंपनी के एचआर राहुल माझी ने इसे छात्रों के लिए तकनीकी क्षेत्र में करियर की दिशा में एक सुनहरा अवसर बताया। कार्यक्रम का संचालन, स्वागत एवं धन्यवाद सह समन्वयक सुशील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. विशाल यादव, श्याम त्रिपाठी व छात्र सदस्य दिव्यांशु संजय समेत अनेक छात्र उपस्थित रहे।

# सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, एक हालत गंभीर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार थाना क्षेत्र के नेवादा गांव के पास स्थित हाईवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।जबकि दुसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। जानकारी के अनुसार अभिषेक सिंह उम्र 38 वर्ष एवं अनिकेश सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी खेतासराय जो आपस सगे भाई हैं।बुधवार को वाराणसी से आवश्यक कार्य निपटाकर दो एक बाइक से घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि लाइन बाजार थानाक्षेत्र के नेवादा गांव के पास स्थित हाइवे पर किसी उक्त बाइक सवार युवक किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये।जिससे मौके पर ही अभिषेक सिंह की दर्दनाक मौत हो गयी तथा अनिकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची लाइन बाजार पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। जबकि घायल अनिकेश को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजवाया गया।

## आपसी विवाद में दो पक्षों में मारपीट, छः जख्मी

सीवान (उत्तरशक्ति)। सीवान बिहार महाराजगंज . स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के कॉपियां गांव में किसी बात को लेकर दो पक्ष पृथ्वी महत्व और राजू कुमार महतो के परिवार के बीच मामला तू-तू, मैं मैं से पढ़ कर मारपीट में तब्दील हो गई। जिसमें दोनों पक्ष के आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए।. तत्काल जख्मी लोगों को अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां से गंभीर जख्मी को प्राथमिक इलाज के बाद सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जख्मी होने वालों में धीरज कुमार, सुनील चौहान, सचिन चौहान, पृथ्वी महतो , सजना कुमारी ,विमल देवी शामिल है। रेफर होने वालों में सजना कुमारी, विमल देवी, सचिन कुमार, धीरज कुमार व सुनील कुमार शामिल हैं, समाचार प्रेषित तक प्राथमिकी दर्ज होने की सूचना नहीं थी।

## बकरीद को लेकर एसडीओ एसडीपीओ ने की शांति समिति की बैठक

सीवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार महाराजगंज.बकरीद पर कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बुधवार को एसडीओ अनीता कुमारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी सदस्यों से पूर्व अनुभवों के आधार पर सुझाव और फीडबैक लिए गए। साफ-सफाई को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। पशु बलि के अवशेषों का निस्तारण तय प्रक्रिया के अनुसार करने को कहा गया। सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखने की बात कही गई। किसी भी आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाले पोस्ट पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में गहन पेट्रोलिंग कराई जाएगी। बाइक पेट्रोलिंग पर खास जोर रहेगा। सभी सदस्यों से जरूरी सूचना तुरंत साझा करने का अनुरोध किया गया। शहर में साफ-सफाई रखने का नगर पंचायत को कहा गया। बैठक में एसडीपीओ अनिता कुमारी, एस डीपीओ राकेश कुमार, वीडियो बिंदु कुमार ,सीओ जितेंद्र पासवान गोरिया कोठी के बीडीओ डॉक्टर अभय कुमार , मोहन कुमार पद्माकर,हरिश्चंद्र महाराज नगर अध्यक्ष शारदा देवी समेत अन्य अधिकारी व शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## आपदाओं से राष्ट्र की सुरक्षा हेतु प्राचीन हनुमान मंदिर में अनुष्ठान व संकीर्तन

वाराणसी। चिन्मय भारत न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत माता मिशन के केंद्रीय अध्यक्ष महंत पंडित अजीत मिश्रा द्वारा अति प्राचीन कर्दम ऋषि की तपस्थली कर्दमेश्वर महादेव स्थित संकट हरण हनुमान जी मंदिर कंडावा में आपदाओं से राष्ट्र की रक्षा के लिए जेठ माह में बड़े मंगलवार को हनुमान जी का अनुष्ठान, सुंदरकांड पाठ हनुमान चालीसा तथा श्री राम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। इस बारे में बात करते हुए पंडित अजीत मिश्रा ने बताया कि राष्ट्र में बढ़ रही कोरोना महामारी तथा जलवायु परिवर्तन द्वारा हो रहे नुकसान को रोकने की दिशा में अनुष्ठान तथा संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में जेपी सिंह, राजेंद्र वैद्य, सोनू तिवारी, सदानंद तिवारी, पियूष, डॉ जेपी मिश्रा, डब्लू सिंह, पत्रकार अभिषेक उपाध्याय, सेवादार ओमप्रकाश समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

## इन्फिनिक्स ने जीटी 30 प्रो गेमिंग स्मार्टफोन लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। नए युग के स्मार्टफोन ब्रांड, इन्फिनिक्स ने इन्फिनिक्स जीटी 30 प्रो लॉन्च किया। गेमिंग पर केंद्रित रहने के अपने सिद्धांत के साथ इन्फिनिक्स जीटी 30 प्रो में फ्लैगशिप ग्रेड की प्रोसेसिंग, आधुनिक थर्मल डिजाईन, और इमर्सिव कंट्रोल फीचर्स दिए गए हैं, जो केंद्रित परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं। जीटी30 प्रो को 12 जून, 2025 से फ्लिपकार्ट पर खरीदा जा सकेगा। लॉन्च के दिन के लिए इसका मूल्य 22,999 रुपये (सभी ऑफरों के साथ) रखा गया है। यह दो आकर्षक रंगों - डार्क फ्लेयर (आरजीबी एलईडी लाईटिंग के साथ) और ब्लेड व्हाईट (सफेद एलईडी लाईटिंग के साथ) में उपलब्ध होगा।

यह डिवाईस मिड-प्रीमियम सेगमेंट में बेहतरीन गेमिंग प्रदान करेगी, क्योंकि इसमें उद्योग के अग्रणी इनोवेशन और फंक्शनल गेमिंग डिजाईन दिए गए हैं, जो गेमर्स को आकर्षित करते हैं। लॉन्च के बारे में अनीश कपूर, सीईओ, इन्फिनिक्स इंडिया ने कहा, जीटी30 प्रो इन्फिनिक्स और भारत में गेमिंग के परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण शुरूआत है। बढ़ती मोबाईल गेमिंग के साथ आज के गेमर्स केवल कॉस्मेटिक अपग्रेड नहीं, बल्कि जबरदस्त परफॉर्मेंस, आधुनिक थर्मल डिजाईन और इमर्सिव गेमप्ले की भी मांग करते हैं।

## यमुना में डूबकर 6 किशोरियों की मौत

आगरा(उत्तरशक्ति)। आगरा में थाना सिकंदरा क्षेत्र के गांव नगला नाथू में यमुना में डूबकर तीन सगी बहनों सहित छह किशोरियों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना में वर्षा ने अपनी तीन भतीजी के साथ बहन और भांजी को भी खो दिया है। उसके आंसू रोके नहीं रुक रहे थे। वह बस यह कह रही थी कि नदी में दूर जाने से रोकती रही लेकिन वह यमुना की गहराई में जाती रहीं। बच्चियों ने मेरी हर हिदायत को अनसुना कर दिया। उसकी आंखों के सामने सभी बच्चियों को यमुना मौत के मुंह में खींच ले गई। ये दर्द यमुना में डूबने वाली मुस्कान, दिव्या, संध्या व नैना की चाची, शिवानी की बहन और सोनम की मौसी वर्षा का था, जो फफक-फफक कर रो रही थी।

## महिला के वेश में चोरी करने वाले शातिर चोर को 41 लाख गहने के साथ किया गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के मालाड पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। जो दिन में रेकी करता था और रात में चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाया करता था।

शातिर चोर ने मालाड, कांदिवली, बोरीवली और दिंडोसी इलाके में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शातिर चोर रेलवे स्टेशन के आस पास के इलाके में चोरी करता था। शातिर चोर पुलिस और उउळश से बचने के लिए रेलवे ट्रैक पर जाकर कपड़े बदलता था और चोरी की वारदात को अंजाम देता था।

फिर वापस रेलवे ट्रैक पर जाकर बुरखा या सूट सलवार पहनकर रेलवे ट्रैक से स्टेशन पर जाकर भीड़ का हिस्सा बनकर गायब हो जाया करता था। गिरफ्तार

आरोपी का नाम रंजीत कुमार उपेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना हैं। जो खगरिया बिहार का रहने वाला है। आरोपी के पास से हीरे जड़ित 36 तोले सोने के गहने, 1 किलो चांदी, बैंक में 13 लाख फ्रिज, सोना पिघलाने की मशीन, घरफोडी करने के हथियार कटवनी, हथोड़ा बरामद किया है। जिसकी कीमत 41 लाख रुपये हैं। साथ ही बिहार में जमीन खरीदने के लिए 10 लाख दिया और मालवणी में घर खरीदने के 6 लाख नगद दिया था। सभी चीजों को मालाड पुलिस द्वारा जप्त कर लिया गया है।

मार्च महीने से मालाड पुलिस ने शातिर चोर की तलाश कर रही थी। 1 महीने तक मालाड पुलिस रेलवे ट्रैक पर उउळश सूत्रों की मदद से जांच कर रही थी। 100 से 150 उउळश की जांच करने के बाद आरोपी महिला के वेश में दिखाई दिया। जांच करने पर आरोपी मालवणी में जाता दिखाई दिया। मालाड पुलिस ने मालवणी में जाल बिछाकर आरोपी को मालवणी से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी से केस सॉल्व किया गया। मालाड पुलिस आरोपी से यह जांच कर रही हैं कि चोरी की वारदात में कितने लोग शामिल रहते थे और चोरी की वारदात को कहा कहा अंजाम दिया है।

## करण जौहर की त्यानी ज्वेलरी के नए कैंपेन में शेफाली शाह बनीं ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई। भारत के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ने अपने नए ब्रांड कैंपेन फोर्सेस ऑफ त्यानी का अनावरण किया है। इस कैंपेन के तहत प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह को इस सीरीज की पहली ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पेश किया गया है। यह कैंपेन कंपनी के लिए एक नया और आत्मविश्वास से भरा अध्याय शुरू कर रहा है। इस अभियान में 10 से अधिक अलग-अलग और विशिष्ट व्यक्तित्वों को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में शामिल किया जाएगा।

त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ऐसे कलाकारों को एक मंच पर लाने जा रहा है, जिन्होंने सफलता की परिभाषा खुद के तरीके से गढ़ी है। हर हफ्ते एक नया चेहरा पेश किया जाएगा और यह अभियान अगले कुछ महीनों तक विभिन्न प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ेगा।

फोर्सेस ऑफ त्यानी का पहला लुक शेफाली शाह की दमदार और प्रभावशाली उपस्थिति के साथ सामने

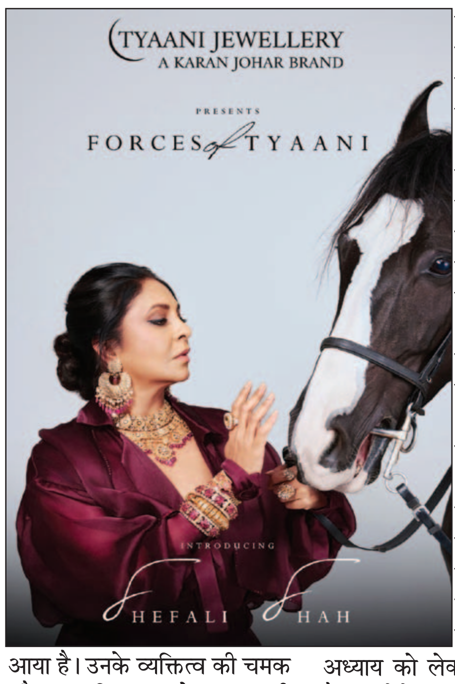


आया है। उनके व्यक्तित्व की चमक और आत्मविश्वास को प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग के माध्यम से दशार्या गया है, जो महिलाओं को अपनी शक्ति निडरता से स्वीकारने और व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है।

यह कैंपेन इंडिविजुअलिटी को लक्जरी का सबसे दुर्लभ रूप मानते हुए उसका उत्सव मनाता है, और उन सभी महिलाओं को दशार्ता है जो अपनी अनोखी शक्ति को गर्व से ढूंढती हैं और पहनती हैं। करण जौहर, संस्थापक, त्यानी ज्वेलरी इस कैंपेन को लेकर कहा, हम इस नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ह्यफोर्सेस ऑफ त्यानीह्ल हमारे ब्रांड फि लासोफी के केंद्र में है– लक्जरी को एकरूपता या स्टेटस से नहीं, बल्कि इंडिविजुअलिटी के जश्न से पुनर्परिभाषित किया जाना चाहिए। इस कैंपेन के मूल में शक्ति, प्रामाणिकता और इनोवेशन हैं–यही वो स्तंभ हैं, जिन पर त्यानी खड़ा है। शेफाली का त्यानी परिवार में स्वागत करना हमारे लिए गर्व और आनंद का क्षण है।

रियल वुमेन, रियल स्टोरीज, रियल ज्वेलरी की विचारधारा को जीवन में उतारते हुए, फोर्सेस ऑफ त्यानी सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है। हर ज्वेलरी का टुकड़ा एक व्यक्तिगत प्रतीक बन जाता है, जो क्राफ्टमैनशिप, इरादा और प्रामाणिकता से जुड़ा होता है–यह केवल बाहरी चमक पर नहीं, बल्कि भीतरी सुंदरता के उत्सव पर केंद्रित है। करण जौहर की त्यानी ज्वेलरी फिलहाल भारत के सात शहरों में मौजूद है, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, लखनऊ और चंडीगढ़। ब्रांड 8 जून को अहमदाबाद में अपना पहला स्टोर खोलने जा रहा है।

## भीटा, जल खाता और आबादी की जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप

### जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच युवक ने लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं क्षेत्र के राजकुमार पुत्र हरिशंकर सा. मौजा सुल्हुआपार परगना व तहसील मडियाहू जनपद जौनपुर ने आज जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर न्याय की गुहार लगाई है। युवक ने आज जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंच कर आरोप लगाते हुए बताया कि उसके गाँव के कुछ लोग हावी सरकस व गोलबन्द प्रवृत्ति के व्यक्ति है। गाँव के तालाब खाते की जमीन आराजी नं0-275 ख रकबा 0.040हे० सम्पूर्ण रकबे पर पाटकर उस पर आधे में मकान तामीर करा लिये है। मजीद आधे रकबे व उससे

सटे 294 ग रकबा 0.255हे0 के जुज रकबे तथा उस युवक के भी चकपरे आराजी 294 क रकबा 0.040हे0 को भी सम्मिलित करके जबरदस्ती कब्जा व निर्माण कर रहा है। मना करने पर आमादा फौजदारी है। जिससे मौके कर किसी बड़ी घटना होने के आसार बने हुए है। तालाब व बंजर की जमीन पर यदि निर्माण मुकम्मल हो जाता है इससे न केवल प्रार्थी युवक का बल्कि गाँव वाले व सरकार का भी नुकसान होगा उसने अपने दिए गए प्रार्थना पत्र में सक्षम अधिकारी मड़ियाहूँ को आदेशित व निर्देशित कर तालाब व बंजर खाते की जमीन पर किया जा रहा पक्का निर्माण तुरन्त हटवाने के साथ ही विपक्षीगण द्वारा किये गये अवैध निर्माण को रोककर ध्वस्तीकरण कराने की मांग की है। उसी से सटा उसका अपना कस्बर भी प्रभावित न हो। अराजी नं0-275ख रकबा 0.040हे0,बंजर खाते की है।

## आगामी त्यौहार ईद उल अजहा को लेकर हुई पीस बैठक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना के प्रांगण में बकरा ईद के त्यौहार के दृष्टिगत दोनों समुदाय के प्रतिष्ठित लोगों को बुलाकर पीस की बैठक की गई। जिसमें क्षेत्रा अधिकारी देवेश सिंह ने बताया कि प्रतिबंधित जानवर की कुबार्नी ना की जाए कुबार्नी के बाद वेस्टेज को 3 फीट गड्ढा करके दफन किया जाए उस स्थान को अच्छे तरीके से साफ कर दिया जाए सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें एआई जेनरेटेड फोटो वीडियो पोस्ट को इग्नोर करें। कुबार्नी की फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट ना करें किसी भी तरीके की अफवाह से बचे कोई भी सूचना होती है तो थाने को सूचित करें। त्यौहार में कोई भी नई परंपरा को शामिल न करें और सड़कों पर नमाज ना पढ़े आपस में भाईचारे और आपसी सौहार्द को बढ़ावा दें। इस मौके पर थाना अध्यक्ष सतीश सिंह ,सभासद कृष्ण कुमार यादव ,बख्तियार आलम एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

## जाको राके साइँया मार सके ना कोई ---

### सर्पमित्र मुरलीधर हौसला के स्वास्थ्य में आया सुधार, शुभचिन्तकों व परिजनों के चेहरे पर छायी खुशी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के नौपेड़वा निवासी सर्पमित्र मुरलीधर हौसला के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है। हालांकि उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के लिये गुरूवार सुबह तक चिकित्सक की देख–रेख में रखा जायेगा। मुरलीधर हौसला आज सुबह वातालार्प के दौरान बताया कि ईश्वर की कृपा एवं देश भर के समर्थकों के दुवाओं और वरिष्ठ चिकित्सक की देख–रेख का परिणाम है कि बड़ी घटना होने पर भी जान बच गयी।बता दें कि बीते मंगलवार की सुबह रेस्क्यू के पूर्व कोबरा सांप से स्थानीय लोगों ने छेड़छाड़ की थी जिससे वह जाल में बुरी तरह फंस गया था। बहुत ही गुस्से में था। जरा सी असावधानी होने पर कोबरा सांप ने डस लिया था। हमारी चार पहिया वाहन मौके पर स्टार्ट नहीं हुई थी। लोगों के दो पहिया वाहन से 40 मिनट में निजी चिकित्सालय में पहुंचने पर चक्कर आने पर हम बेहोश हो गये थे। 24 घंटे बीतने के बाद 15 एंटीवेनम इंजेक्शन लगाने के बाद भी शरीर के दाहिने हाथ में सर्पदंश के काटे स्थान पर हाथ में सूजन के साथ सिरदर्द अभी भी होने लगा।उन्होंने सोशल मीडिया से अपील करते हुए कहा कि जिस तरह हम बेजुबान जीवों को बचाते हैं। सांप को क्या पता कि हम बचाने आए हैं।मौका मिलते ही डस लिया। लोगों को सावधान सतर्क रहने की बात करते हुए कहा कि झाड़–फूंक के चक्कर में कदापि न पड़े। सांप के काटने पर तुरंत जिला चिकित्सालय या जहां एंटीवेनम इंजेक्शन मौजूद हो, मरीज को वहीं ले जायं। आज समय से पहुंचने पर हमारी जान बचाई गई है।

## वैदिक मंत्रोच्चार के बीच त्रिकौलिया में स्थापित की गई हनुमान जी की मूर्ति

जौनपुर। जेठ माह में के बड़े मंगलवार (3 मई) के दिन ग्राम त्रिकौलिया, खुटहन स्थित सीताराम सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रांगण में नवनिर्मित कटहरी महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान जी की भव्य मूर्ति की स्थापना की गई। इस धार्मिक कार्यक्रम के लिए मुंबई से आए उद्योगपति दीपक कुमार सिंह, उनकी धर्मपत्नी प्रीति सिंह तथा शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, उनकी धर्मपत्नी मंजू सिंह ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। पूरे दिन भर चली पूजा अर्चना के बीच उन लोगों का आवागमन जारी रहा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्मानंद ओझा, रामगंज नगरपालिका अध्यक्ष राकेश सिंह, प्रधान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण पांडे, सुरेश त्रिपाठी, बेचन पांडे, जगत सिंह, पारसनाथ सिंह, विपिन सिंह,अमित सिंह, कृष्ण सिंह, हौसिला प्रसाद दुबे आदि का समावेश रहा। इस बारे में पूछे जाने पर दीपक सिंह ने कहा कि हनुमान जी की मूर्ति स्थापना के कार्यक्रम में शामिल होना अत्यंत गौरव की बात है। हनुमान जी सबकी मनोकामना पूर्ण करें। पहले इस कार्यक्रम में उनके पिता उद्योगपति चित्रसेन सिंह को आना था, परंतु विशेष व्यस्तता के चलते उन्होंने अपने पुत्र दीपक सिंह और पुत्रवधू को इस कार्यक्रम के लिए भेजा।

## गेस्ट ऑफ हॉनर से बढ़ाया मान

चिराना। श्री श्याम प्रजापति कुम्हार कुमावत सेवा समिति खाटू के

तत्वावधान में समाज की ओर से श्याम नगरी में बनाई जा रही है एक धर्मशाला हेतु श्रद्धा की सहयोग राशि लेने चिराना पहुंचे समिति के कोषाध्यक्ष कैलाश धुनारिया व विजय प्रकाश घोड़ेला का सम्मान समाज सेवी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने गेस्ट ऑफ हॉनर का मोमेंटो प्रदान कर किया और पुनीत कार्य के लिए सहयोग कर इनका मान बढ़ाया।

इस विषय पर चर्चा करते हुए विजय प्रकाश घोड़ेला ने बताया कि पिछले एक महीने से हम गांव गांव जाकर भामाशाओं से संपर्क कर मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं और लोगों बनाई जा रही धर्मशाला के बारे में बता रहे हैं।उन्होंने कहा कि खाटू नगरी में कई समाज की धर्मशाला एवं गेस्ट हाउस बने हुए है जो विश्राम के लिए उपयुक्त नजर आते हैं, तो क्यों न इस पावन धरा पर अपने भी समाज की एक धरोहर हो ,बस इसी पुनीत भावन से हम इस कार्य को मूर्त रूप देने में लगे हुए है,हमें भरोसा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस नेक कार्य के लिए सभी का सहयोग मिलेगा और आने वाले दिनों में हमारे समाज की भी एक ठहराव हेतु सुविधा देखने को मिलेगी।

## बीजेपी विधायक राजन नाईक ने दिया काम कराने का आश्वासन

-रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा महानगर पालिका द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए चालू बस सेवा से नालासोपारा पश्चिम के यात्रियों को इस बरसात के मौसम में बड़ी ही तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। जहाँ एक ओर बारिश का मौसम तो वही दूसरी ओर बस डिपो के अंदर बहुत ही बडे पैमाने पर गड्ढा खोदकर महानगर पालिका द्वारा छोड़ दिया गया हैं । जिसमे मच्छर जैसे अनेको प्रकार के जीव जंतु तेजी से फैल रहे है। इतना ही नही यात्रियों को बस पकड़ने के लिए बस डिपो में भी जाने का रास्ता नही है। पूरा रास्ता पूरी तरह से कीचड़ से भरा हुआ है। जिसके तहत आये दिन कई यात्री उस कीचड़ में गिर रहे है। कितनी सारी शिकायतों के बावजूद भी महानगर पालिका के अधिकारियों के कान पर जु नही रेग रहे है। जिसको लेकर यात्रियों द्वारा बस डिपो के निरिक्षक योगेश्वर कदम को उत्तरशक्ति के संवाददाता द्वारा डिपो की हालत को लेकर जानकारी दी गई । तो उनके द्वारा कहा गया हमारे तरफ से वसई विरार महानगर पालिका को कई पत्र दिया गया है । लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही पालिका के द्वारा नही हो रही है। संवादाता द्वारा पत्र को मागे जाने पर उन्होंने कहा कि हम कल भेजते है। जिसको लेकर इसकी शिकायत नजदीक बीजेपी आमदार राजन नाईक से करने पर उन्होंने भी तुरंत कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।